Chapter - 4

https://parikshasolutions.blogspot.com

जीवन के इन विभिन्न पहलुओं का जिक्र करें जिनमें भारत में स्त्रियों के साथ भेद भाव होता है या कमजोर स्थिति में होती है।

Ans- भारत में महिलाओं के साथ निम्न तरीकों से भेद-भाव किया जाता है

(i) इन्हें पर्याप्त शिक्षा नहीं दी जाती है। जिस कारण महिलाओं में साक्षरता केवल 54% है।

(ii) इनके द्वारा किया गया अधिकांश श्रम अवैतनिक है। जहाँ वे काम करती है उन्हें पुरुषों की तुलना में कम वेतन मिलता है।

(iii) कई परिवारों के बच्चों के पालन-पोषण में लड़के तथा लड़की के खाने-पीने तथा शिक्षा के बारे में भी भेदभाव किया जाता है।

(iv) भारत में आज भी ऊँचा वेतन पाने वाली बहुत कम महिलायें हैं।

(v) कई क्षेत्रों में महिलाओं को समान कार्य के लिए पुरुषों के समान वेतन नहीं मिलता है।

विभिन्न तरह की साम्प्रदायिक राजनीति का ब्यौरा दें और सबके साथ एक-एक उदाहरण भी दें।

Ans- यद्यपि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है और धर्म के आधार पर संविधान किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करता, फिर भी साम्प्रदायिकता राजनीति में अनेक रूप धारण किए हुए है। यह बात निम्न उदाहरणों से स्पष्ट है —

www.notesolve.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

(i) दैनिक जीवन की मान्यताओं में सांप्रदायिक श्रेष्ठता की अभिव्यक्ति धार्मिक सांप्रदायिक इसका एक अच्छा उदाहरण है।

(ii) चुनावों में ऐसे मतदाताओं की संख्या बहुत अधिक होती है जो अपने धर्म से संबंध रखने वाले उम्मीदवार के पक्ष में ही मतदान करते हैं।

(iii) भारत में अनेक राजनैतिक दलों का गठन सांप्रदायिक आधार पर किया जाता है। मुस्लिम लीग, हिन्दू महासभा तथा अकाली दल धर्म ~~का~~ धर्म पर आधारित राजनैतिक दल हैं।

बताइए कि भारत में किस तरह अभी भी जातिगत असमानताएँ जारी हैं?

Ans- समकालीन भारत में जाति व्यवस्था खत्म नहीं हुई है —

(i) अब भी ज्यादातर लोग अपनी जाति या कबीले के अंदर ही शादी करते हैं।

(ii) छुआछूत को संवैधानिक किये जाने के बावजूद भी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

(iii) जो जातियाँ पहले से ही शिक्षा के क्षेत्र में आगे थी, आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में भी उन्हीं का बोलबाला है। जिन जातियों को पहले शिक्षा से वंचित रखा जाता था, उनके सदस्य अभी भी पिछड़े हुए हैं।

(iv) आज भी ऊँची जाति में अमीर लोग ज्यादा है और निचली जाति में बहुत कम हैं।

(v) हर जाति में गरीब लोग हैं पर निचली जाति में बहुत अधिक है और ऊँची जातियों में सबसे कम है।

दो कारण बताए कि क्यों सिर्फ जाति के आधार पर भारत में चुनाव के परिणाम तय नहीं हो सकते हैं?

Ans — अकेले जाति भारत में चुनाव परिणाम निर्धारित नहीं कर सकता क्योंकि —

(i) कोई भी संसदीय क्षेत्र ऐसा नहीं है जहाँ एक ही जाति का स्पष्ट बहुमत हो।

(ii) कोई भी पार्टि किसी विशेष जाति के सारे वोट हासिल नहीं करती है।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

भारत की विधायिकाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की स्थिति क्या है?

Ans — जब विधायिकाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की बात आती है तो भारत का स्थान दुनिया के देशों में सबसे नीचे है। महिलाओं का प्रतिनिधित्व हमेशा लोकसभा में 10% से कम और राज्य विधान सभा में 5% रहा है। दूसरी तरह स्थानीय सरकारी निकायों में 10 लाख से अधिक निर्वाचित प्रतिनिधि महिलाएँ हैं।

किन्हीं दो प्रावधानों का जिक्र करें जो भारत को धर्मनिरपेक्ष देश बनाते हैं।

Ans — भारत को धर्म निरपेक्ष देश बनाने वाले दो संवैधानिक प्रावधान निम्न हैं —

(i) किसी भी धर्म का प्रचार करने, अभ्यास करने और अपनाने को स्वतंत्र हैं।
(ii) संविधान धर्म के आधार पर भेदभाव पर रोक लगाता है।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

जब हम लैंगिक विभाजन की बात करते हैं तो हमारा अभिप्राय होता है —
(क) स्त्री और पुरुष के बीच जैविक अंतर
(ख) समाज द्वारा स्त्री और पुरुष को दी गई असमान भूमिकाएँ
(ग) बालक और बालिकाओं की संख्या का अनुपात
(घ) लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में महिलाओं को मतदान का अधिकार न मिलना।

Ans — (ख) समाज द्वारा स्त्री और पुरुष को दी गई असमान भूमिकाएँ।

भारत में महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था है —
(क) लोकसभा
(ख) विधानसभा
(ग) मंत्रि मण्डल
(घ) पंचायती राज की संस्थाएँ

Ans — (घ) पंचायती राज की संस्थाएँ।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / . /

साम्प्रदायिक राजनीति के अर्थ संबंधी निम्नलिखित कथनों पर गौर करें।
साम्प्रदायिक राजनीति इस धारणा पर आधारित है कि
(अ) एक धर्म दूसरे से श्रेष्ठ है।
(ब) विभिन्न धर्मों के लोग समान नागरिक के रूप में खुशी-खुशी साथ रह सकते हैं।
(स) एक धर्म के अनुयायी एक समुदाय बनाते हैं।
(द) एक धार्मिक समूह का प्रभुत्व बाकी सभी धर्मों पर कायम करने में शासन की शक्ति का प्रयोग नहीं किया जा सकता है।

इनमें से कौन या कौन-कौन सा कथन सही है।

(क) अ, ब, स और द
(ख) अ, ब और द
(ग) अ और स
(घ) ब और द

Ans — (ग) अ और स

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

से भारतीय संविधान के बारे में इनमें कौन सा कथन गलत है ?

(क) यह धर्म के आधार पर भेदभाव की मनाही करता है।

(ख) यह एक धर्म को राजकीय धर्म बताता है।

(ग) सभी लोगों को कोई भी धर्म मानने की आजादी देता है।

(घ) किसी धार्मिक समुदाय में सभी नागरिकों को बराबरी का अधिकार देता है।

Ans — (ख) यह एक धर्म को राजकीय धर्म बताता है।

______ पर आधारित सामाजिक विभाजन सिर्फ भारत में ही है।

Ans — जातिवाद

सूची I और सूची II का मेल कराएं और नीचे दिए गए कोड के आधार पर सही जवाब दें।

सूची I ⇒

(i) अधिकारों और अवसरों के मामले में स्त्री और पुरुष को बराबरी मानने वाला व्यक्ति

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

(ii) धर्म को समुदाय का मुख्य आधार मानने वाला व्यक्ति
(iii) जाति को समुदाय का मुख्य आधार मानने वाला व्यक्ति
(iv) व्यक्तियों के बीच धार्मिक आस्था के आधार पर भेदभाव न करने वाला व्यक्ति

सूची-II ⇒

(क) साम्प्रदायिक
(ख) नारीवादी
(ग) धर्मनिरपेक्ष
(घ) जातिवादी

Ans ⇒ (i) → ख
(ii) → क
(iii) → घ
(iv) → ग

कोड के आधार पर जवाब — (2) ख, क, घ, ग

www.notesdrive.com

www.notesdrive.com